IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सामाजिक उत्तरदायित्व का महत्व, नीति के प्रमुख सिद्धान्त, जैसे समावेशिता, इक्विटी और सामुदायिक सहभागिता ,और सामाजिक प्रभाव''

शोध निर्देशक
डॉ धीरेन्द सिंह यादव
सह0 आचार्य
शिक्षा संस्थान
बैच संख्या सप्तम बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी उत्तर प्रदेश

शोधकर्ता
मंगल सिंह
शिक्षाशास्त्र
(शोध केन्द्र शिक्षा संस्थान बु0 वि0 झाँसी)

सारांश (Abstract)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी सुधार का प्रयास हैं,जिसका उद्देश्य शिक्षा को केवल अकादमिक उपलब्धि तक सीमित न रखकर उसे सामाजिक उत्तर दायित्व से जोडना हैं।यह नीति 21वीं सदी की सामाजिक ,आर्थिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक समावेशी समानतापूर्ण और मूल्य–आधारित शिक्षा प्रणाली के निर्माण पर बल देती हैं । प्रस्तुत शोध पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सामाजिक उत्तरदायित्व की आवधारणा, उसके महत्व ,प्रमुख सिद्धान्तों–जैसे समावेशिता ,समानता एवं सामुदायिक सहभागिता–तथा इनके सामाजिक प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि किस प्रकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोडने का प्रयास करती है तथा शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बनाती है। शोध में शोधार्थी द्वारा द्वितीयक ऑकडों का उपयोग किया गया है,जिनमें सरकारी दस्तावेज , राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 एव यू0 जी0 सी0 की रिपोर्टें ,पुस्तकों तथा शोध पत्रिकाओं को शामिल किया गया है। वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति के माध्यम से यह अध्ययन दर्शाता है कि समावेशी एवं समानतापूर्ण शिक्षा सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और सामुदायिक विकास को सुदृढ करने में सहायक है। अध्ययन का निष्कर्ष यह संकेत देता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को समाज उपयोगी बनाकर जिम्मेदार, नैतिक एव जागरूक नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ।यह नीति न केवल शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करती हैं,बल्कि सामाजिक समरसता , सहभागिता और आत्म निर्भरता को भी प्रोत्साहित करती हैं। इस प्रकार , राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत में सामाजिक उत्तर दायित्व आधारित शिक्षा व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता हैं। क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोडने का एक सशक्त प्रयास है। समावेशिता, समानता,एकीकृत दृष्टिकोण और सामुदायिक सहभागिता जैसे सिद्धान्त शिक्षा को समाज के वास्तविक मुद्दो से जोडते है यह भारत को समतामूलक,न्यायपूर्ण और विकसित समाज की ओर ले जा सकती हैं।

मुख्य शब्द (Keywords):

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता, समानता, सामुदायिक सहभागिता ,सामाजिक प्रभाव आदि ।

परिचय (introducation)

शिक्षा की राष्ट्रीय नीति से अभिप्राय है कि एक निश्चित स्तर तक सभी छात्रों की जातिमत, या लिंग के भेदभाव के बिना तुलनीय गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच हो। शिक्षा किसी भी समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला होती हैं। यह व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । जैसा कि स्वामी विवेकानंद जी नें बताया ''ज्ञान स्वयं में वर्तमान हैं , मनुष्य केवल उसका आविष्कार करता हैं।'' अर्थात शिक्षा का मूख्य कार्य व्यक्ति के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन लाना है । शिक्षा के माध्यम से ही संचित ज्ञान को आने वाली पीढियों को हस्तांतरित किया जा सकता हैं, उच्च शिक्षा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक , नैतिक, और आध्यात्मिक विषयों को समझने में सक्षम बनाती है, इसके माध्यम से समाज में किसी भी प्रकार का परिवर्तन लाना सुगम हो जाता हैं। साथ ही शिक्षा समाज में विषमताओं को कम करने का साधन भी बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भारत में समय–समय पर विभिन्न विद्वानों द्वारा शिक्षा नीतियों का निर्माण किया गया, जिसमें 1968 और 1986 की शिक्षा नीतियॉ प्रमुख रही हैं। बदलते सामाजिक ,आर्थिक एवं वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल ,द्वारा मंजूरी दी गई जिसका मुख्य

उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी ,कौशल उन्मुख और 21वी सदी की जरूरतों के अनुरूप तथा स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दोनों में व्यापक सुधार , जिसमें पाठयक्रम का पुनर्गठन और नए शैक्षणिक ढाँचे शामिल है । इस आधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में सामने आई। जिसका उद्देश्य सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली –विद्यालय से उच्च शिक्षा तक –में गुणात्मक सुधार लाना हैं । यह नीति भारतीय परंपराओं और मूल्यों को आधुनिक वैश्विक आवश्यकताओं के साथ जोडनें का प्रयास करती हैं।

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

शर्मा एवं सिंह (2022)–ने अपने शोध में शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व के आपसी संबंध को स्पष्ट करते हुए बताया कि शिक्षा संस्थान समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है । उनके अनुसार, सामुदायिक सहभागिता के बिना शिक्षा का सामाजिक प्रभाव सीमित रह जाता हैं।

पटेल (2023)–के अध्ययन में यह पाया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020मे निहित इक्विटी का सिद्धांत शिक्षा में समान पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। उन्होने यह भी उल्लेख किया है कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रशासनिक एव संरचनात्मक चुनौतियॉ विद्यमान है।

कुमार एवं वर्मा(2021)–के शोध में यह पाया गया कि समावेशिता केवल नामांकन बढाने तक सीमित नही है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होने NEP2020 का सकारात्मक पहल बताया है किन्तु प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया है।

देसाई(2021)–ने अपने शोध में बताया कि NEP 2020 सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की अवधारणा पर आधारित हैं। उनके अनुसार नीति में वंचित वर्गों जैसे–अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, दिव्यांग ,आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए विशेष प्रावधान किए गए है, जो शिक्षा में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ करते है।

UNESCO(2015,2017)- की रिपोर्टों में शिक्षा को सतत विकास लक्ष्य (SDGs) की प्राप्ति का प्रमुख साधन माना गया है। इन रिपोंर्टों में समावेशी और समानतामूलक शिक्षा को सामाजिक उत्तरदायित्व का आधार बताया गया है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020की कई धारणाएँ–जैसे जीवन कौशल,नैतिक मूल्य और नागरिकता शिक्षा–इन वैश्विक शैक्षिक दृष्टिकोण से मेल खाती है।

अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the study)

1.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी दष्टिकोण का अध्ययन करना ।

2.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित समावेशिता एवं इक्विटी के सिद्धान्तों का विश्लेषण करना ।

3.शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता के महत्व को स्पष्ट करना ।

4.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संभावित सामाजिक प्रभावों का अध्ययन करना ।

शोध पद्धति (Research Mothodology)-

इस अध्ययन में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रकृति हैं, साथ ही इस अध्ययन में गुणात्मक शोध पद्धति हैं। और इस में द्वितीयक आंकडों का किया गया हैं,जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सरकारी दस्तावेज भारत सरकार की शिक्षा संबंधी नई, पुरानी रिपोर्टें, शोधपत्र, पुस्तकें, लेख, ई–स्त्रोत ,UGC, NCERT, NITI Aayog रिपोर्टें ,साथ ही विषय विश्लेषण, तुलनात्मक विश्लेषण, व्याख्यात्मक विश्लेषण, इन विधियों द्वारा डेटा विश्लेषण किया गया हैं।

सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा

सामाजिक उत्तरदायित्व से तात्पर्य व्यक्ति की समाज के प्रति जिम्मेदारी से हैं। शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना ,सहानुभूति, सहयोग और नैतिक मूल्यों का विकास किया जा सकता हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस बात पर बल देती है कि शिक्षा समाज की वास्तविक समस्याओं से जुडी हो

नीति के प्रमुख सिद्धान्त

समावेशिता (Inclusivity)–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रमुख लक्ष्य सभी वर्गों–विशेषकर वंचित ,दिव्यांग ,ग्रामीण एवं सामाजिक ,आर्थिक रुप से पिछडें वर्गों–को शिक्षा की मुख्यधारा से जोडना हैं (शर्मा, 2022; तिलक, 2021) समावेशी शिक्षा सामाजिक समानता को बढावा देती है।

इक्विटी(Equity)-इक्विटी का अर्थ है सभी को आवश्यकता के अनुसार अवसर प्रदान करना (अग्रवाल,2020;यूनेशको,2021) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समान शैक्षणिक अवसर सुनिश्चित करने हेतु छात्रवृत्ति, डिजिटल संसाधनों और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा पर जोर देती है ।

सामुदायिक सहभागिता (Community participation)-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यालय ,परिवार और समुदाय के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण माना गया है (श्रीवास्तव,2022;मिश्रा,2021)। स्थानीय समुदाय की सहभागिता से शिक्षा अधिक व्यावहारिक और समाजोन्मुख बनती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सामाजिक प्रभाव – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभाव से शिक्षा व्यवस्था मे सामाजिक संवेदनशीलता बढने की संभावना है यह नीति विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनान, सामाजिक असामानताओं को कम करने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ करने में सहायक सिद्व हो सकती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में चुनौतियॉं – राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उददेश्यों की व्यापकता के बावजूद इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियां विद्यमान है। सबसे बडी चुनौती राज्यों के बीच शैक्षिक संसाधनों की असमान उपलब्धता है । ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अभी भी आधारभूत संरचना, प्रशिक्षित शिक्षकों तथा डिजिटल संसाधनों का अभाव देखा जाता है। इसके अतिरिक्त शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों, बहु विषयक दृष्टिकोण तथा तकनीक आधारित शिक्षण के लिए प्रशिक्षित करना भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है एक अन्य चुनौती नीति के प्रति जागरूकता की कमी है। अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों और प्रावधानों की समुचित जानकारी का अभाव इसके सामाजिक प्रभाव को सीमित कर सकता है। अतः आवश्यक है कि सरकार एवं शैक्षिणिक संस्थान मिलकर जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें।

शिक्षक की भूमिका एवं सामाजिक उत्तरदायित्व–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक को सामाजिक परिवर्तन का मुख्य वाहक माना गया है। शिक्षक केवल पाठ्य वस्तु का सम्प्रेषक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और मूल्य निर्माता होता है समावेशी कक्षा कक्ष का निर्माण, विद्यार्थियों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं को समझना तथा समान अवसर प्रदान करना शिक्षक के सामाजिक उत्तरदायित्व का अभिन्न अंग है। राष्ट्रय शिक्षा नीति शिक्षकों को स्थानीय समस्याओं से जुडे शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए प्रेरित करती है जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित हो सके।

विद्यार्थियों मे सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अनुभवात्मक अधिगम, सामुदायिक सेवा, परियोजना कार्य और मूल्य आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी समाज की वास्तवितक समस्याओं से परिचित होते है और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाना सीखते हैं इससे उनमें सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व तथा नागरिक कर्तव्यों की समझ विकसित होती है।

डिजिटल शिक्षा और सामाजिक प्रभाव–डिजिटल शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण घटक है। (world bank, 2021, mishra, 2021.) आनलाइन प्लेटफार्म, ई–लर्निंग सामग्री और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया गया है इससे वंचित वर्गो को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुॅंचने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, डिजिटल डिवाइड की समस्या को दूर किये बिना यह उद्देश्य पूर्णतया प्राप्त नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सतत विकास– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से भी जोडा जा सकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समानता, सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय जैसे लक्ष्य इस नीति के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते है। शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उत्तरदयित्व का विकास सतत और समावेशी विकास की दर में एक सशक्त कदम है।

निष्कर्ष (conclusion) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोडने का एक दूरदर्शी प्रयास है। समावेशिता, इक्विटी और सामुदायिक सहभागिता जैसे सिद्धान्त समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने की क्षमता रखते है। यद्यपि इसके क्रियान्वयन में चुनौतियॉं है, फिर भी यदि सरकार, शिक्षक समुदाय और अन्य हितधारक मिलकर कार्य करें, तो यह नीति एक न्यायपूर्ण, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। अतः स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को न केवल संरचनात्मक रूप से ही नही बल्कि वैचारिक और सामाजिक दृष्टि से भी पुनर्गठित करने का प्रयास है। यह नीति शिक्षा को मात्र ज्ञानार्जन की प्रक्रिया न मानकर उसे सामाजिक परिवर्तन, समानता और उत्तरदायित्व का माध्यम बनती हैं । तथा इस नीति के सिद्धान्त – समावेशिता, इक्विटी, और सामुदायिक सहभागिता शिक्षा को अधिक लोकतांत्रिक और समाजोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता, समानता के मूल्यों पर पुनर्स्थापित करने का एक व्यापक प्रयास हैं। यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी एवं समर्पित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तो भारतीय समाज में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन और सतत विकास की दिशा में एक अच्छा कदम सिद्व हो सकता है।

_भविष्य के लिए सुझाव' (suggestions for the future)- प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर भविष्य में किये जाने वाले अनुसंधान हेतु निम्नलिखित सुझााव दिये जा सकते हैं–

1.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 **के** सामाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित प्राविधानों के वास्तविक क्रियान्वयन पर अनुभवजन्य (empirical) अध्ययन किया जा सकता है।

2.समावेशिता एवं इक्विटी के संदर्भ में शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में उपयोगी सिद्व हो सकता है।

3.सामुदायिक सहभागिता के प्रभाव का अध्ययन विभिन्न शैक्षिक स्तरों (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा) पर अलग–अलग किया जा सकता है।

4.डिजिटल शिक्षा और सामाजिक समानता के बीच संबंध पर क्षेत्रीय स्तर पर विस्तृत अध्ययन किया जा सकता है।

5.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावों पर विशेष शोध किया जा सकता है।

सन्दर्भ (References)

1.Government of India.(2020).national education policy 2020.ministry of education,new delhi.

2. ministry of education.(2021).Implementation plan of national education policy2020.Government of India .

3.UNESCO.(2021).Educaton for Sustainable Development:Roadmap.paris:UNESCO

4.Sharma,S.(2022).Inclusive Education in India: Issues and challenges.Journal of Educational Studies,15(2),45-52.

5.Agarwal,P.(2020).Indian Higher Eduction System after NEP 2020. International Joumal of Education Development, 8(10), 12-20.

6.Tilak J.b.G.(2021).Equality and Access in indian Eduction. Economic and political Weekly. 56(34), 67-74.

7.NCERT.(2021).School Eduction Refroms under NEP 2020.New Delhi. NCERT.

8.National council for Teacher Eduction (NCTE).(2020).Teacher Eduction and NEP 2020. New Delhi.

9. UNESCO.(2020).Golbal Education Monitoring Report.Paris:UNESCO.

10.Srivastava,M.(2022).Communty Particpation in School Education India Journal of Social Research,63(1),88-97.

11.World,Bank.(2021).Education and Social Equity In Developing Countries.Washington DC.

12.Mishra,A.(2021).Digital Education and Social Inclusion.Journal of Educational Technology,5(3).41-49.

13.Singh,P.(2023).Social Responsibility and Value-Based Education .Asian Journal of Education,14(2).55-63.

14.OECD.(2021).Education Policy Outlook:India.Paris:OECD.

15.Yadava,R.(2019).A Study of Educational Reforms and Socil Responsibility in India.Unpublished Ph.D.Thesis.Banaras Hindu University.Retrieved from Shodhganga.

16.Verma,S.(2020).Inclusive Education and Equity in Indian School System.Ph.D.Thesis,Universityof Delhi.Retrieved from Shodhganga.

17.Mishra,P.(2021).Community Participation and School Education in India.Doctoral Dissrtation,Allahabad University.Retrieved from Shodhganga.

Websites:
https://www.goole.com
https://prsindia.org
https://education.gov.in
https://mosp.gov.in
https://ugc.ac.in
https://www.indiatoday.in
https://www.openai.com/chatgpt.
https://www.shodhganga.inflibnet.ac.in
https://www.shodhgangotri.ac.in